वाणिज्य मंत्रालय द्वारा अपने विभागों के सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों को मूल हिन्दी में लिखे गए पत्रों की संख्या

2319. **श्री रामावतार शास्त्री** : क्या वाणिज्य मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उनके मन्त्रालय ने राज भाषा अधिनियम, 1983 के प्रावधानों के अनुसार वर्ष 1981-1982, 1982-83 और 1983-84 में अलग-अलग देश में 'क' और 'ख' और 'ग' क्षेत्रों में स्थित अपने विभागों, सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों और उपक्रमों में कुल कितने मूल पत्र भेजे ;

(ख) उनमें से राज्यवार और वर्षवार कितने अलग-अलग मूलपत्र हिन्दी में थे और कितने अंग्रेजी में थे ;

(ग) इन वर्षों में वर्षवार 'क' 'ख' और 'ग' क्षेत्रों के राज्यों में स्थित उनके मंत्रालय से सम्बद्ध, अधीनस्थ कार्यालयों और उपक्रमों से कितने मूल पत्र उनके मंत्रालय को मिले हैं ; और

(घ) राज्यवार अलग अलग उनमें से कितने मूल पत्र हिन्दी में थे और कितने अंग्रेजी में थे ?

वाणिज्य मंत्रालय में और पूर्ति विभाग में राज्यमंत्री (श्री निहार रंजन लास्कर) : (क) और (ख) मंत्रालय द्वारा देश के 'क', 'ख' तथा 'ग' क्षेत्रों में स्थित अपने विभागों सम्बद्ध तथा अधीनस्थ कार्यालयों और उपक्रमों को भेजे गए मूल पत्रों के सम्बन्ध में अलग से जानकारी नहीं रखी जाती। तथापि, क्षेत्रों 'क' 'ख' तथा 'ग' में स्थित केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों को भेजे गये मूल पत्रों के आंकड़े केवल अक्तूबर, 1982, जब कि राज-भाषा विभाग द्वारा क्षेत्रवार जानकारी मांगने वाला तिमाही प्रगति रिपोर्ट सम्बन्धी नया प्रोफार्मा लागू किया गया, के बाद की अवधि के लिए ही उपलब्ध हैं और वे निम्नलिखित अनुसार हैं :

	हिन्दी में		अंग्रेजी में	
	अक्तू-दिस.	जन-दिस.	अक्टू-दिस.	जन-दिस.
	1982	1983	1982	1983
क्षेत्र 'क'	64	642	3022	15412
क्षेत्र 'ख'	—	369	376	5057
क्षेत्र 'ग'	—	148	868	4810

(ग) और (घ) केवल विभिन्न स्रोतों से हिन्दी में प्राप्त मूल पत्रों आदि के आंकड़े ही वर्षवार रखे जाते हैं, राज्यवार नहीं। 1981-82, 1982-83, 1983-84 (दिसम्बर, 1983 तक के दौरान प्राप्त ऐसे पत्रों की संख्या क्रमशः 1245, 1059 तथा 784 रही। इनमें से ऐसे पत्रों को छोड़कर जिनका कोई उत्तर देना अपेक्षित नहीं था, सभी का उत्तर हिन्दी में दिया गया।

पूर्ति मंत्रालय से उसके विभागों, सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालय को हिन्दी और अंग्रेजी में लिखे गये मूल पत्रों की संख्या

2320. **श्री रामावतार शास्त्री** : क्या पूर्ति मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उनके मंत्रालय ने राजभाषा अधिनियम 1963 के उपबन्धों के अनुसार वर्ष 1981-82, 1982-83 और 1983-84 के दौरान पृथक-पृथक 'ए' 'बी' और 'सी' क्षेत्रों में आने वाले राज्यों में कार्यरत अपने विभागों, सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों को कुल कितने मूल पत्र भेजे हैं :

(ख) उनमें से राज्य-वार और वर्षवार कितने पत्र मूल रूप से हिन्दी और अंग्रेजी में पृथक पृथक लिखे गये ;

(ग) उनके मंत्रालय को इन वर्षों के दौरान 'ए' 'बी' और 'सी' क्षेत्रों में आने वाले राज्यों में कार्य-रत अपने सम्बद्ध, अधीनस्थ कार्यालयों और उपक्रमों से वर्षवार कुल कितने पत्र प्राप्त हुए ; और

(घ) उन मूल पत्रों में से हिन्दी और अंग्रेजी में लिखे गये पत्रों की पृथक-पृथक राज्य-वार संख्या कितनी हैं ?

वाणिज्य मंत्रालय में और पूर्ति विभाग में राज्य मंत्री (श्री निहार रंजन लास्कर) : (क) इस विभाग द्वारा वर्ष, 1981-82, 1982-83 में 'ए' 'बी' और 'सी' क्षेत्रों में आने वाले राज्यों में स्थित अपने सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों आदि को भेजे गए पत्रों के बारे में पृथक आंकड़े उपलब्ध नहीं, तथापि, इस विभाग द्वारा, इन दो वर्षों में सभी को भेजे गए पत्रों की कुल संख्या निम्नलिखित हैं :—

1981-82	1982-83
1325	1459

तथापि, इस विभाग द्वारा, वर्ष, 1983-84 (31 दिसम्बर, 1983 तक) में भेजे गए मूल पत्रों के बारे में आंकड़े क्षेत्र वार निम्नलिखित हैं :-

'ए' क्षेत्र - 681

'बी' क्षेत्र - 698

'सी' क्षेत्र - 575

(ख (1) उनमें से हिन्दी में भेजे गये मूल पत्रों की संख्या निम्नलिखित हैं :-

1981-82	1982-83
595	1017

(क्षेत्र-वार आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं)

1983-84 (31 दिसम्बर, 1983 तक)

(क्षेत्र-वार आँकड़े)

'ए' क्षेत्र - 623

'बी' क्षेत्र - 445

'सी' क्षेत्र - 35

(2) उनमें से अंग्रेजी में भेजे गए मूल पत्रों की संख्या निम्नलिखित हैं :-

1981-82	1982-83
730	442

(क्षेत्र-वार आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं)

1983-84 (31 दिसम्बर, 1983 तक)

क्षेत्र वार आंकड़े

'ए' क्षेत्र - 58

'बी' क्षेत्र - 253

'सी' क्षेत्र - 540

(ग) इस विभाग को 'ए' 'बी' और 'सी' क्षेत्रों के राज्यों में स्थित अपने सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों आदि से प्राप्त हुए मूल पत्रों की संख्या उपलब्ध नहीं हैं। तथापि,

प्राप्त हुए पत्रों की कुल संख्या निम्नलिखित हैं :—

1981-82	1982-83	1983-84 (31 दिसम्बर 83तक)
2870	3010	2972

(घ) (1) उनमें से हिन्दी में प्राप्त हुए पत्रों की संख्या निम्नलिखित है :-

(क्षेत्र-वार आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं)

1981-82	1982-83	1983-84 (31 दिस.,1983 तक)
810	1028	914

(2) उनमें से अंग्रेजी में प्राप्त हुए पत्रों की संख्या निम्नलिखित हैं :—

(क्षेत्र-वार आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं)

1981-82	1982-83	1983-84 (31 दिसम्बर, 1983तक)
2060	1982	2058

स्टेट बैंक आफ इन्दौर की चांदनी चौक शाखा में की गई अनियमिततायें

2321. **श्री सत्यनारायण जटिया** : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) स्टेट बैंक आफ इन्दौर के निदेशक बोर्ड द्वारा चांदनी चौक बैंक की उक्त शाखा में की गई अनियमितताओं के संबंध में मामला क्रमांक 28 के बारे में 30 अगस्त, 1983 को क्या निर्णय लिया गया है;

(ख) क्या किये गये निर्णय को यथोचित क्रियान्वित किया जाता है और यदि नहीं, तो उसके तथा सम्बंधित व्यक्तियों के दोषी पाये जाने के भी क्या कारण हैं; और

(ग) उपर्युक्त मामले में बैंक को किस प्रकार की हानि हुई ?

वित्त मंत्रालय में उपमंत्री (श्री जनार्दन पुजारी) : (क) से (ग) स्टेट बैंक आफ इन्दौर ने सूचित किया है कि उसकी चांदनी चौक (दिल्ली) शाखा में 28.50 लाख रुपए की पाई गई अनियमितता की सूचना कार्यपालक समिति को 30.8.1983 को दे दी गई थी। बैंक ने यह भी सूचित किया है कि ब्याज सहित पूरी राशि पार्टी से वसूल कर ली गई है। अलबत्ता, बैंक केन्द्रीय सतर्कता आयोग के परामर्श से दोषी कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई कर रहा है।

Take over of Sick and closed Textile Mills of Madhya Pradesh

2322. SHRI SATYANARAYAN JATIYA Will the Minister of COMMERCE be pleased to state :

(a) whether Government are seriously thinking to take over the sick units and closed textile mills of Madhya Pradesh ; and

(b) if so, how soon Government are going to announce the decision ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE AND IN THE DEPARTMENT OF SUPPLY (SHRI-NIHAR RANJAN LASKAR) : (a) and (b) The Government have not takan any dicision to take over any closed or sick textile mill in Madhya Pradesh.

Distribution of Mass Loans at Ram Lila Grounds

2323. SHRI SUDHIR KUMAR GIRI : SHRI NIREN GHOSE : Will the Minister of FINANCE be pleased to state :